Savitribai Phule Pune University

(Formerly University of Pune)

Revised Syllabus for the Affiliated Collages
F.Y.B.A./F.Y.B.com/M.A. Part- I
Programme: F.Y.B.A./F.Y.B.com/M.A. Part- I
Course: Hindi
Semester: I & II

[UG/PG Choice Based Credit System For Arts programme
Under Faculty Humanities

Academic year 2019-2020]

भूमिका

विज्ञान और तकनीक की तुलना में मानविकी का क्षेत्र सर्वसमावेशक रहा है। समाज के उपयोगितावादी दृष्टिकोण के फलस्वरूप उच्चशिक्षा का वर्तमान परिदृश्य परिवृत्तित हुआ है। शिक्षा क्षेत्र में कौशलाधारित प्रशिक्षण पर बल देना वर्तमान की आवश्यकता बन गई है। साहित्य और मानविकी को भारतीय संदर्भों में नित्य सम्मानजनक दृष्टि से देखा गया है। साहित्य विशेष यानि काव्य साहित्य ने समाज को दिशा निर्देशन का कार्य किया है।

वर्तमान यंत्र युग के दबाव के चलते मानव समाज से भावना और सहजीवन से जुड़े विषय गायब होते जा रहे हैं। मानवी समाज में सहजीवन की भावना को संप्रक्त बनाने का कार्य साहित्य द्वारा ही संभव है। किसी भी समाज के विकास को नापने का एकक मशीनें हो ही नहीं सकती हैं। मानवी मूल्यों का पोषण उनसे संभव नहीं है।

साहित्य का सीधा संबंध मूल्यपरक कलाओं से है। भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त मूल्यपरकता सर्वोच्च है। बात जब साहित्य की आती है तब उसके सबसे महत्वपूर्ण अवयव भाषा को अनदेखा नहीं किया जा सकता है। साहित्य की अभिव्यक्ति भाषा के माध्यम से होती है। भाषा समाज के सभी घटकों को जोड़ती है, मनुष्य को सत्यम्, शिवम, सुंदरम् का अभिज्ञान करती है।

वर्तमान सूचना क्रांति के युग में सूचना का विस्फोट हुआ है किंतु सूचना को ज्ञान में परिवर्तित करने का कार्य तकनीक नहीं कर सकती। यह कार्य तो मानविकी, समाजविज्ञान और साहित्य का है। साहित्यिक मूल्य यथार्थ में जीवन मूल्य हैं जो आम आदमी के लिए आवश्यक हैं।

हिंदी साहित्य का इतिहास भले ही एक हजार वर्ष का हो किंतु पिछली एक शताब्दी में हिंदी साहित्य ने अपना विस्तार सभी विधाओं में किया है। प्रतिनिधिक रचनाओं का भारतीय एवं विश्व की कई भाषाओं में अनुवाद हो रहा है। स्थानियता के साथ–साथ राष्ट्रीय और वैश्विक दृष्टिकोण से भी छात्रों को परिचित करना आवश्यक है। छात्रों के ज्ञान और कौशल का विकास करना आवश्यक है। छात्रों के ज्ञान और कौशल के विकास में स्नातक, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम गुणात्मक परिवर्तन लाने में सक्षम है।

स्नातक पाठ्यक्रम का उद्देश्य (B.A.)

- छात्रों को संवेदनशील नागरिक बनाना।
- मानवीय मूल्यों का संवर्धन एवं विकास करना।
- व्यक्ति, समाज, समुदाय एवं प्रकृति के प्रति संवेदनशील दृष्टि का विकास करना।
- भारतीय साहित्य के बिंबों की व्याख्या करना।
- भाषा–साहित्य संबंधी मूलभूत कौशल जैसे– श्रवण, लेखन तथा अभिव्यक्ति का विकास करना।
- लोकसाहित्य और अभिजात साहित्य से परिचित कराना।

- स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर तक के विशिष्ट साहित्य से परिचित कराना।
- उच्चारण, वर्तनी और लिपि का सही–सही ज्ञान कराना।
- विभिन्न साहित्यिक विधाओं की जानकारी देना।
- डिजिटल साक्षरता प्रदान करना।
- शिक्षण अधिगम पद्धति।
- मूल्यांकन पद्धति।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का उद्देश्य (M.A.)

1) विषय ज्ञान :

1. सामाजिक, धार्मिक, क्षेत्रीय, राजनीतिक, आर्थिक और लैंगिक संदर्भों में साहित्य को जानने की योग्यता विकसित करना।
2. साहित्य के भिन्न रूपों, विधाओं, कालखंड और आंदोलनों की पहचान करना, विमर्श करना तथा आलेख लिखने की योग्यता निर्माण करना।
3. विभिन्न साहित्यिक और आलोचनात्मक अवधारणाओं को समझने की योग्यता निर्माण करना।
4. भाषा वैज्ञानिक, शैलीगत और सौंदर्यशास्त्रीय विविधताओं को समझने की योग्यता निर्माण करना।
5. विभिन्न प्रयोगिक सरंचनाओं की सहायता से पाठ विश्लेषण और पाठालोचन की योग्यता।
6. विभिन्न विधाओं के कथ्य, ऐतिहासिक संदर्भ को गंभीरतापूर्वक जानने की योग्यता।

2) संप्रेषण कौशल :

1. बोलचाल की हिंदी, साहित्यिक और अकादमिक हिंदी को बोलने तथा लिखने के कौशल का विकास।
2. अभिव्यक्ति के विभिन्न कौशल का विकास।
3. सुनने और बोलने और लिखने के कौशल का विकास करना।
4. आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास करना।

3) विश्लेषणात्मक एवं तार्किक दृष्टि का विकास :

1. तार्किक रूप से साहित्य के अनुशीलन की योग्यता।
2. श्रेष्ठ साहित्य की विशेषता और कमजोरियों का विश्लेषण करने की योग्यता।
3. आलोचना के नए बिंदुओं के अन्वेषण की योग्यता।

4) समूह कार्य और समय प्रबंधन :

1. कक्षा वार्ता के संदर्भ में सूमह चर्चा में सकारात्मक रूप से प्रतिभाग करने की योग्यता।
2. निर्धारित समय में कार्य पूर्ण करने की योग्यता।

3. समूह निर्माण की योग्यता तथा योग्यतानुरूप समूहकार्य आबंटन का कौशल।

5) स्वाध्याय के प्रति विशेष रूचि का विकास :

1. व्यक्तिगत शोध के साथ–साथ प्रश्न निर्माण और उत्तर देने की योग्यता का विकास।
2. साहित्यिक और आलोचनात्मक रचनाएँ पढ़ते सयम स्वाध्याय की भावना का विकास।

6) वैचारिक स्पष्टता :

1. अध्ययनोपरांत साहित्य के संबंध में वैचारिक दृष्टि का विकास।
2. अन्य विचारों का साहित्य पर पड़नेवाले प्रभावों का अध्ययन।
3. स्थानीय से अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक की वैचारिकी से परिचय।

7) शोध कौशल :

1. समस्याओं को खोजने की योग्यता का विकास।
2. शोधपत्र हेतु योजना बनाना।
3. शोध कल्पना और प्रश्नांकन की योग्यता का विकास।

8) बहुसांस्कृतिकता :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य भाषाओं के साहित्यिक अध्ययन द्वारा सांस्कृतिक बहुज्ञता को जानने के प्रति रुचि।
2. बहुसांस्कृतिकता को आत्मसात करने की योग्यता का विकास।

9) नैतिक और सामाजिक मूल्य :

1. साहित्य में अभिव्यक्त नैतिक और सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरुकता और उनके प्रचार–प्रसार के लिए रुचि उत्पन्न होने की संभावना का विकास।
2. साहित्य के माध्यम से पर्यावरण, समाज, राजनीति, धर्म, अर्थनीति आदि संबंधी मूल्यबोध कराना।

10) डिजिटल साक्षरता :

1. हिंदी कंप्यूटिंग से परिचित कराना।
2. सूचना एवं तकनीकी कौशल से परिचित करना।
3. तकनीकी उपकरणों का विधिवत उपयोग करने की योग्यता का विकास करना।

11) शिक्षण अधिगत पद्धति :

1. व्याख्यान
2. संवाद तथा सूमह चर्चा
3. परिवेश सृजन
4. समकालीन साहित्य बोध

5. अभिनय पद्धति का प्रयोग
6. अध्ययन संबंधी पर्यटन (अध्ययन यात्रा)
7. क्षेत्रीय अथवा परियोजना कार्य
8. तकनीकी का सहयोग

12) मूल्यांकन पद्धति :

1. अंतर्गत मूल्यांकन : लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, सूमह परियोजना कार्य, उपस्थिति, मैखिक प्रस्तुति।
2. सत्रांत परीक्षा : बहुविकल्पीय, लघु उत्तरीय, दीर्घ उत्तरीय प्रश्न।

***

Marks/Grade/Grade Point :

Marks	Grade	Grade Point
100 to 75	O: Outstanding	06
74 to 65	A: Very Good	05
64 to 55	B: Good	04
54 to 50	C: Average	03
49 to 45	D: Satisfactory	02
44 to 40	E: Pass	01
39 to 0	F: Fail	00

3. Final Grade Points:

Grade Points	Grade
05.00-6.00	O
04.50-04.99	A
03.50-04.49	B
02.50-03.49	C
01.50-02.49	D
00.50-01.49	E
00.00-00.49	F

अनुक्रम

प्रथम वर्ष कला/वाणिज्य (प्रथम अयन एवं द्वितीय अयन)

कोर्स न.	प्रथम अयन/द्वितीय अयन	श्रेयांक	पृष्ठ क्रमांक
प्रथम वर्ष कला (F.Y.B.A.) (सामान्य)			
1 A	प्रयोजनमूलक हिंदी	3	02
1 B	प्रयोजनमूलक हिंदी	3	04
प्रथम वर्ष कला (F.Y.B.A.) (सामान्य)			
1 A	वैकल्पिक हिंदी प्रश्नपत्र	3	06
1 B	वैकल्पिक हिंदी प्रश्नपत्र	3	08
प्रथम वर्ष वाणिज्य (F.Y.B.com) (सामान्य)			
1 A	वैकल्पिक हिंदी प्रश्नपत्र	3	10
1 B	वैकल्पिक हिंदी प्रश्नपत्र	3	12

एम. ए. प्रथम वर्ष (प्रथम अयन एवं द्वितीय अयन)

कोर्स न.	प्रथम अयन		श्रेयांक	पृष्ठ क्रमांक
1	मध्ययुगीन काव्य		4	15
2	कथा साहित्य		4	17
3	भारतीय काव्यशास्त्र		4	19
4	वैकल्पिक			21
	क)	हिंदी पत्रकारिता	4	21
	ख)	नाटककार मोहन राकेश	4	23
कोर्स न.	**द्वितीय अयन**			
5	कथेतर गद्य साहित्य		4	26
6	शोध प्रविधि		4	28
7	पाश्चात्य काव्यशास्त्र		4	30
8	वैकल्पिक			32
	ग)	शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र	4	32
	घ)	हिंदी उपन्यास साहित्य	4	34

सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठ, पुणे

F. Y. B. A. मराठी

मराठी विषयाचा पुनर्रचित अभ्यासक्रम- जून २०१९ पासून

Choice Based Credit System [CBCS]

निवड आधारित श्रेयांक पद्धत

सत्र	विषयाचे नाव
नियमीत अभ्यासक्रम	
पहिले सत्र	मराठी साहित्य : कथा आणि भाषिक कौशल्यविकास [CC-1 A]
दुसरे सत्र	मराठी साहित्य : एकांकिका आणि भाषिक कौशल्यविकास [CC-1 A]
पर्यायी अभ्यासक्रम	
पहिले सत्र	व्यावहारिक व उपयोजित मराठी - भाग १ [CC-1 A]
दुसरे सत्र	व्यावहारिक व उपयोजित मराठी - भाग २ [CC-1 A]

F. Y. B. A. मराठी विषयाचा पुनर्रचित अभ्यासक्रम- जून २०१९ पासून

१. Title of the course: B.A. (मराठी)

२. Preamble of the syllabus:

उच्च शिक्षणासाठी प्रवेश घेणाऱ्या विद्यार्थ्यांची शैक्षणिक पार्श्वभूमी ही ज्ञानरचनावादाची आहे. या विद्यार्थ्यांचे पूर्वानुभव, पूर्वज्ञान हे जिज्ञासा, निरीक्षण, प्रयोग, सर्जनशीलता, उपाययोजना व समस्या निराकरण अशा अध्ययन – अध्यापन सूत्रांतून निर्माण झाले आहे.

हा अभ्यासक्रम तयार करीत असताना काही आधारभूत तत्त्वे स्वीकारली आहेत. राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरणाची उद्दिष्टे प्रत्यक्षात आणताना, विद्यार्थीकेंद्री, आंतर्विद्याशाखीय, रोजगाराभिमुख, कौशल्याधिष्ठीत असे भाषा व साहित्याचे अभ्यासक्रम अनुसरणे, निर्माण करणे आवश्यक आहे. तसेच जीवन कौशल्य विकासासाठी भाषा, साहित्य, कला ही माध्यमे अधिक परिणामकारकतेने समजावून घेणे आवश्यक झाले आहे. साहित्यिकक्षमता, भाषिकक्षमता वाढीसाठी, जीवनाच्या आकलनासाठी आणि प्रगल्भतेसाठी विद्यार्थी सिद्ध करणे; ही आजची गरज बनली आहे.

उद्दिष्टे :

१. मराठी भाषा, मराठी साहित्य आणि मराठी संस्कृती यांचे अध्ययन करणे.
२. साहित्यविषयक आकलन, आस्वाद आणि मूल्यमापनक्षमता विकसित करणे.
३. साहित्याभ्यासातून जीवनविषयक समज विकसित करणे.
४. मराठी भाषेची उपयोजनात्मक कौशल्ये विकसित करणे.

मराठी विषयाचा अभ्यासक्रमाची पुनर्रचना खालील क्रमाने करण्यात येणार आहे.

१. First Year B.A. 2019-20.
२. Second Year B.A. 2020-21.
३. Third Year B.A. 2021-22.

B. A. (मराठी) हा पुनर्रचित अभ्यासक्रम तीन वर्षांचा आणि सहा सत्रांत विभागलेला निवड आधारित श्रेयांक पद्धतीचा (Choice Based Credit System) [CBCS] आहे. हा अभ्यासक्रम F. Y. B. A. (सत्र १ आणि सत्र २), S. Y. B. A. (सत्र ३ आणि सत्र ४), T. Y. B. A. (सत्र ५ आणि सत्र ६) अशा १३२ श्रेयांकांचा आहे.

३. Introduction : Pattern: निवड आधारित श्रेयांक पद्धत (Choice Based Credit System) [CBCS]

४. Eligibility : (Circular No. 100 of 2017)

Faculty of Humanities

(1) Arts & Fine Arts Bachelor's Degree

1. First Year B.A.

(a) Higher Secondary School Certificate (10+2) or its equivalent Examination with English as a passing subject.
(b) Three Years Diploma Course (after S.S.C. i.e. 10th Standard), of Board of Technical Education conducted by Government of Maharashtra or its equivalent.
(c) Three Years Diploma in Pharmacy Course (after S.S.C. i.e. 10th), of Board of Technical Education conducted by Government of Maharashtra or its equivalent.
(d) S.S.C. of 10 years or 11 years with English and Indian Air Force Educational Test for promotion to the rank of Corporal.
(e) Trained Teachers Certificate Course, of Inter-State Board of Anglo Indian Education, New Delhi.
(f) Intermediate Commerce/Arts examination from the Recognized Board of Secondary Education, M.P. Bhopal with 4 subjects including General English.
(g) Diploma in Education with English, of Bureau of Government of Mahrashtra.
(h) MCVC (minimum competency Vocational Course Goverment of Maharashtra)

५. Examination:

१. Pattern of examination:

१. Semester

२. Pattern of the question paper:

विद्यापीठ सत्र परीक्षा	७० गुण
अंतर्गत मूल्यमापन	३० गुण
एकूण	१०० गुण

२. Standard of passing: उत्तीर्ण होण्यासाठी विद्यापीठ सत्र परीक्षेत ७० पैकी २८ गुण अनिवार्य, अंतर्गत मूल्यमापनामध्ये ३० पैकी १२ गुण अनिवार्य.

३. Award of class:

1.Percentage to Grades and Grade Points

The following formula may be used to convert marks (%) into letter grades.

Let $\bar{X}$ = mean of % age marks of all student appeared in the paper.

σ = Standard deviation

m = % of marks obtained

Letter grade	Numerical grade	Formula
O (outstanding)	10	$m \geq \bar{X} + 2.5\,\sigma$
A+ (Excellent)	9	$\bar{X} + 2.0\,\sigma \leq m < \bar{X} + 2.5\,\sigma$
A (Very Good)	8	$\bar{X} + 1.5\,\sigma \leq m < \bar{X} + 2.0\,\sigma$
B+ (Good)	7	$\bar{X} + 1.0\,\sigma \leq m < \bar{X} + 1.5\,\sigma$
B (Above average)	6	$\bar{X} \leq m < \bar{X} + \sigma$
C (Average)	5	$\bar{X} - 0.5\,\sigma \leq m < \bar{X}$
D (Pass)	4	$\bar{X} - \sigma \leq m < \bar{X} - 0.5\,\sigma$
F (Fail)	0	$m < \bar{X} - \sigma$
Ab (Absent)	0	

* Minor variations may be adjusted by the individual institution.

४. Setting of Question paper/ Pattern of Question paper :

विद्यापीठ सत्र परीक्षा		
वेळ : ३ तास		**गुण : ७०**
प्रश्न क्रमांक		गुण
प्रश्न १ ला	५ पैकी ३ प्रश्नांची उत्तरे प्रत्येकी १०० शब्दांपर्यंत (घटक १)	१५
प्रश्न २ रा	५ पैकी ३ प्रश्नांची उत्तरे प्रत्येकी १०० शब्दांपर्यंत (घटक २)	१५
प्रश्न ३ रा	४ पैकी २ प्रश्नांची उत्तरे प्रत्येकी २०० शब्दांपर्यंत (घटक २)	२०
प्रश्न ४ था	६ पैकी ४ प्रश्नांची उत्तरे प्रत्येकी ५० शब्दांपर्यंत (घटक ३)	२०
सत्र परीक्षा एकूण गुण		**७०**
अंतर्गत मूल्यमापन		
लेखी परीक्षा (घटक २)		२०
प्रकल्प / गटचर्चा / गृहपाठ / चर्चासत्र / उपक्रम सहभाग / अभ्यासभेट (घटक ३)		१०
अंतर्गत मूल्यमापन एकूण गुण		**३०**
सत्र परीक्षा आणि अंतर्गत मूल्यमापन एकूण गुण		**१००**
अंतर्गत मूल्यमापनाचे नियोजन महाविद्यालयाने करावे. विद्यापीठाच्या निर्देशानुसार विहित मुदतीत गुण विद्यापीठाकडे पाठवावे.		
विद्यार्थ्यांचे अंतर्गत मूल्यमापनविषयक लेखन / तपशील विद्यापीठाच्या निर्देशानुसार, विहित कालावधीपर्यंत महाविद्यालयाकडे जमा असणे आवश्यक आहे.		

५ Structure of Course:

Year	Semester	Core Courses (CC)	Discipline Specific Elective Courses (DSE)	Generic Elective(GE)
F.Y.B.A.	1	CC – 1 A (3)		
	2	CC – 1 B (3)		
S.Y.B.A.	3	CC – 1 C (2)	DSE 1 A (3) DSE 2 A (3)	
	4	CC – 1 D (2) CC – 3 D (1)	DSE 1 B (3) DSE 2 B (3)	
T.Y.B.A.	5	CC – 1 E (2)	DSE 1 C (3) DSE 2 C (3)	
	6	CC – 1 F (2)	DSE1 D (3) DSE 2 D (3)	GE 2 B (2)

६. Work Load:

१. १ श्रेयांक : १५ तास
२. १ तास : ६० मिनिट
३. १ सत्र : ३ श्रेयांक

७. Subject wise Detail Syllabus & Recommended books:

F.Y.B.A. (प्रथम वर्ष कला)

निवड आधारित श्रेयांक पद्धत (Choice Based Credit System)

पहिले सत्र

विषयाचे नाव : मराठी साहित्य : कथा आणि भाषिक कौशल्यविकास [CC-1 A]

अभ्यासक्रमाची उद्दिष्टे :

१. कथा या साहित्यप्रकाराची ओळख करून देणे.
२. कथा या साहित्यप्रकाराचे स्वरूप, घटक आणि प्रकार यांची ओळख करून देणे.
३. विविध साहित्यप्रवाहांमधील कथा या साहित्यप्रकारातील निवडक कथांचे अध्ययन करणे.
४. भाषिक कौशल्यविकास करणे.

पहिले सत्र :

घटक	तपशील	श्रेयांक	तासिका
१	कथा : स्वरूप कथा : घटक कथा : प्रकार (रचनाप्रकार आणि प्रवाह)	१	१५
२	पाठ्यपुस्तक : **समकालीन मराठी कथा** संपादक प्रा. डॉ. शिरीष लांडगे, प्रा. डॉ. दिलीप पवार, प्रा. डॉ. संदीप सांगळे	१	१५
३	भाषिक कौशल्यविकास नैसर्गिक : आकलनासह श्रवण अर्जित : संभाषण, वाचन, लेखन, इ-संवाद कौशल्य प्रगत : सारांशलेखन, सारग्रहण	१	१५

संदर्भ ग्रंथ

१. मराठी साहित्य : प्रेरणा आणि स्वरूप, संपादक डॉ. गो. मा. पवार, डॉ. म. द. हातकणंगलेकर

२. साहित्यमूल्य आणि अभिरुची, डॉ. गो. मा. पवार

३. काही साहित्यिक : काही साहित्यकृती, डॉ. भीमराव कुलकर्णी

४. साहित्य अध्यापन आणि प्रकार, वा. ल. कुलकर्णी गौरव ग्रंथ, संपादक श्री. पु. भागवत, डॉ. सुधीर रसाळ

५. कथा : संकल्पना आणि समीक्षा, सुधा जोशी, मौज प्रकाशन

६. मराठी कथा : विसावे शतक, संपादक के. ज. पुरोहित, सुधा जोशी

७. व्यावहारिक मराठी, पुणे विद्यापीठ प्रकाशन, पुणे.

८. व्यावहारिक मराठी, डॉ. कल्याण काळे, डॉ. दत्तात्रय पुंडे, निराली प्रकाशन, पुणे.

९. व्यावहारिक मराठी, डॉ. लीला गोविलकर, डॉ. जयश्री पाटणकर, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे.

१०. व्यावहारिक मराठी, डॉ. सयाजीराजे मोकाशी, प्रा. रंजना नेमाडे

११. व्यवहारिक, उपयोजित मराठी आणि प्रसारमाध्यमांची कार्यशैली, संपादक डॉ. संदीप सांगळे, डायमंड पब्लिकेशन, पुणे.

१२. मराठी भाषेची संवाद कौशल्ये (पुस्तक क्र.१ ते ८) य. च. म. मुक्त विद्यापीठ, नाशिक.

१३. व्यावहारिक मराठी, डॉ. ल. रा. नसिराबादकर, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर.

१४. नवभारत, व्यावहारिक मराठी विशेषांक, ऑगस्ट – सप्टेंबर, १९८२, प्राज्ञ पाठशाला, वाई.

१५. प्रसारमाध्यमांसाठी लेखन कौशल्ये, य. च. म. मुक्त विद्यापीठ, नाशिक.

१६. कहाणी वर्तमानपत्राची, चंचल सरकार, अनुवाद, दिनकर गांगल, नॅशनल बुक ट्रस्ट.

१७. वैखरी, भाषा आणि भाषा व्यवहार, अशोक केळकर

१८. प्रसारमाध्यमे आणि मराठी भाषा, संपादक डॉ. भास्कर शेळके.

१९. व्यावहारिक मराठी भाषा, शरदिनी मोहिते

२०. व्यावहारिक आणि उपयोजित मराठी, डॉ. मनोहर रोकडे

२१. व्यासपीठ, डॉ. महादेव वाळुंज, अक्षरमानव प्रकाशन, पुणे.

२२. मराठी भाषा उपयोजन आणि सर्जन, प्रा. सुहासकुमार बोबडे

२३. पारिभाषिक संज्ञा कोश (इंग्लिश - मराठी) डॉ. स्नेहल तावरे.

२४. भाषांतर मीमांसा, कल्याण काळे, अंजली सोमण, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे.

२५. व्यावहारिक मराठी, संपादक डॉ. स्नेहल तावरे, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे.

२६. उपयोजित मराठी, डॉ. केतकी मोडक, प्रा. सुजाता शेणई, संतोष शेणई

२७. व्यावहारिक मराठी, प्रकाश परब, मिथुन प्रकाशन, १८८९,डोंबिवली (पूर्व)

२८. भाषा संचालनालय, महाराष्ट्र शासनाने प्रकाशित केलेले विविध कोश

२९. साहित्यिक गौरी देशपांडे, महादेव वाळुंज.

३०. बाबुराव बागुलांच्या कथेतील दलित स्त्री, राजाभाऊ भैलुमे.

३१. https://www.maayboli.com/node/62738

३२. https://m.maharashtratimes.com/editorial/samwad/predictive-reviews-of-rural problems/amp_articleshow/68120291.cms

३३. https://marathi.pratilipi.com/

३४. https://www.youtube.com/watch?v=uMMRRXj-54Q&feature=youtu.be

३५. https://mr.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%97%E0%A5%8C%E0%A4%B0%E0%A5%80_%E0%A4%A6%E0%A5%87%E0%A4%B6%E0%A4%AA%E0%A4%BE%E0%A4%82%E0%A4%A1%E0%A5%87

३६. https://www.bbc.com/marathi/india-43021905

३७. https://www.loksatta.com/lekh-news/indian-women-authors-gauri-deshpande-chaturang-anniversary-issue-1761601/

३८. https://mr.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%95%E0%A4%B0_%E0%A4%9A%E0%A4%82%E0%A4%A6%E0%A4%A8%E0%A4%B6%E0%A4%BF%E0%A4%B5

दुसरे सत्र

विषयाचे नाव : मराठी साहित्य : एकांकिका आणि भाषिक कौशल्यविकास [CC-1 A]

अभ्यासक्रमाची उद्दिष्टे :

१. एकांकिका या साहित्यप्रकाराची ओळख करून देणे.
२. एकांकिका या साहित्यप्रकाराचे स्वरूप, घटक आणि प्रकार यांची ओळख करून देणे.
३. मराठी साहित्यातील निवडक एकांकिकांचे अध्ययन करणे.
४. भाषिक कौशल्यविकास करणे.

घटक	तपशील	श्रेयांक	तासिका
१	एकांकिका : स्वरूप एकांकिका : घटक एकांकिका : संहितामूल्य व प्रयोगमूल्य	१	१५
२	पाठ्यपुस्तक : **मराठी एकांकिका** **(विठ्ठल तो आला आला – पु. ल. देशपांडे, हंडाभर चांदण्या – दत्ता पाटील)** संपादक प्रा. डॉ. शिरीष लांडगे, प्रा. डॉ. बाळकृष्ण लळीत, प्रा. डॉ. भास्कर ढोके	१	१५
३	भाषा उपयोजनाची विविध आविष्कार रूपे संवादलेखन कल्पनाविस्तार घोषवाक्य लेखन भाषांतर	१	१५

संदर्भ ग्रंथ

१. एकांकिका वाटचाल, संपादक श्री. रं. भिडे व इतर, सोमय्या पब्लिकेशन, मुंबई, १९६९.

२. निवडक मराठी एकांकिका, संपादक सुधा जोशी, साहित्य अकादमी, दिल्ली, १९८३.

३. निवडक एकांकिका, वि.भा. देशपांडे, १९७७.

४. सर्वोत्कृष्ट मराठी एकांकिका, प्रभाकर नारायण परांजपे, सुपर्ण प्रकाशन, पुणे, १९४८.

५. मराठी एकांकिका तंत्र व विकास, श्री. रं. भिडे, सुपर्ण प्रकाशन, पुणे.

६. एकांकिका विचार आणि सर्वोत्तम एकांकिका, जयंत पवार व इतर, नेहरू सेंटर प्रकाशन, मुंबई १९९३.

७. टॅक्स फ्री आणि इतर एकांकिका (प्रस्तावना), चंद्रशेखर फणसळकर, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे १९९५.

८. समग्र एकांकिका भाग १ व २, विजय तेंडुलकर, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई, २००४.

९. चतुरंग सवाई एकांकिका, संपादक चतुरंग परिवार, १९८८-२०१२ रौप्यमहोत्सवी वाटचाल विशेषांक.

१०. https://www.youtube.com/watch?v=0fnZMG8zdpk

F.Y.B.A. (प्रथम वर्ष कला)

निवड आधारित श्रेयांक पद्धत (Choice Based Credit System)

पहिले सत्र

पर्यायी अभ्यासक्रम

विषयाचे नाव : व्यावहारिक व उपयोजित मराठी भाग १ [CC-1 A]

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप :

विद्यापीठ सत्र परीक्षा		
वेळ : ३ तास		**गुण : ७०**
प्रश्न क्रमांक		गुण
प्रश्न १ ला	अ. २ पैकी १ प्रश्नाचे उत्तर लिहिणे. (घटक १)	२०
	ब. २ पैकी १ प्रश्नाचे उत्तर लिहिणे. (घटक १)	
प्रश्न २ रा	अ. २ पैकी १ प्रश्नाचे उत्तर लिहिणे. (घटक २)	२०
	ब. २ पैकी १ प्रश्नाचे उत्तर लिहिणे. (घटक २)	
प्रश्न ३ रा	अ. २ पैकी १ प्रश्नाचे उत्तर लिहिणे. (घटक ३)	३०
	ब. २ पैकी १ प्रश्नाचे उत्तर लिहिणे. (घटक ३)	
सत्र परीक्षा एकूण गुण		**७०**
अंतर्गत मूल्यमापन		
लेखी परीक्षा		२०
प्रकल्प / गटचर्चा / गृहपाठ / चर्चासत्र / उपक्रम सहभाग / अभ्यासभेट		१०
अंतर्गत मूल्यमापन एकूण गुण		**३०**
सत्र परीक्षा आणि अंतर्गत मूल्यमापन एकूण गुण		**१००**
अंतर्गत मूल्यमापनाचे नियोजन महाविद्यालयाने करावे. विद्यापीठाच्या निर्देशानुसार विहित मुदतीत गुण विद्यापीठाकडे पाठवावे.		
विद्यार्थ्यांचे अंतर्गत मूल्यमापनविषयक लेखन / तपशील विद्यापीठाच्या निर्देशानुसार, विहित कालावधीपर्यंत महाविद्यालयाकडे जमा असणे आवश्यक आहे.		

अभ्यासक्रमाची उद्दिष्टे :

१. संज्ञापनातील भाषेची भूमिका, विविध भाषिक आविष्कारांचे स्वरूप समजावून घेणे. भाषिक कौशल्यांची क्षमता विकसित करणे.

२. भाषिक कौशल्यांचे विविध आविष्कार आणि संपर्कमाध्यमे यांचा परस्परसंबंध समजावून घेणे व उपयोजन करणे.

३. मराठीचा कार्यालयीन, व्यावसायिक कामकाजात भाषेचे उपयोजन, गरज व स्वरूप या विशेषांची माहिती करून घेणे.

४. कार्यालयीन, व्यावसायिक भाषाव्यवहारासाठी आवश्यक लेखनकौशल्याचे संपादन व उपयोजन करणे.

घटक	तपशील	श्रेयांक	तासिका
१	१. जीवन व्यवहारातील भाषेचे स्थान : भाषा स्वरूप व व्याख्या, आविष्करणाचे प्रकार, मौखिक व लिखित.जीवनक्षेत्रे व भाषा उपयोजन २. भाषिक कौशल्ये : १. नैसर्गिक - आकलनसह श्रवण, २. अर्जित – संभाषण, वाचन व लेखन	१	१५
२	१. अर्जलेखन- विनंती अर्ज, नोकरीसाठी अर्ज, तक्रार अर्ज, माहितीच्या अधिकारातील अर्ज. २. निबंध लेखन - वर्णनात्मक,चर्चात्मक आणि ललित (प्रत्यक्ष निबंधलेखन करणे अपेक्षित)	१	१५
३	प्रगत भाषिक कौशल्ये : १. सारांश लेखन २. सारग्रहण ३. भाषांतर (प्रत्यक्ष लेखन करणे अपेक्षित)	१	१५

दुसरे सत्र

पर्यायी अभ्यासक्रम

विषयाचे नाव : व्यावहारिक व उपयोजित मराठी भाग १ [CC-1 A]

घटक	तपशील	श्रेयांक	तासिका
१	संवाद लेखन : १. विविध माध्यमांसाठी होणारे संवाद. २. सुचविलेल्या प्रसंगावर आधारित संवाद लेखन ३. इ-संवाद (ई-मेल)	१	१५
२	भाषांतर : १. भाषांतर म्हणजे काय ? भाषांतर शास्त्र की कला ? २. भाषांतराची आवश्यकता, भाषांतर करताना येणाऱ्या अडचणी. ३. भाषांतर आणि रूपांतर, लक्ष्यनिष्ठ आणि मूलनिष्ठ भाषांतर. ४. इंग्लिश उताऱ्याचे मराठी अथवा हिंदी भाषांतर.	१	१५
३	उपयोजित मराठीची आविष्कार रूपे : १. टिप्पणी लेखन २. इतिवृत्त लेखन ३. घोषणा पत्रक ४. हस्तपत्रक ५. घडीपत्रक ६. स्मरणपत्र ७. स्मरणिका निर्मितीचा आराखडा ८. आशयलेखन (Content Writing) ९. जाहिरात लेखन.	१	१५

संदर्भ ग्रंथ

१. व्यावहारिक मराठी, पुणे विद्यापीठ प्रकाशन, पुणे.
२. व्यावहारिक मराठी, डॉ. कल्याण काळे, डॉ. दत्तात्रय पुंडे, निराली प्रकाशन, पुणे.
३. व्यावहारिक मराठी, डॉ. लीला गोविलकर, डॉ. जयश्री पाटणकर, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे.
४. व्यावहारिक मराठी, डॉ. सयाजीराजे मोकाशी, प्रा. रंजना नेमाडे
५. व्यावहारिक मराठी, डॉ. ल. रा. नसिराबादकर, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर
६. प्रसारमाध्यमांसाठी लेखन कौशल्ये, य.च.म.मुक्त विद्यापीठ, नाशिक.
७. कहाणी वर्तमानपत्राची, चंचल सरकार अनुवाद, दिनकर गांगल, नॅशनल बुक ट्रस्ट
८. द्विभाषी व्यावहारिक शब्दकोश (इंग्लिश - मराठी) गणेश ओतुरकर
९. प्रसारमाध्यमे आणि मराठी भाषा, संपादक डॉ. भास्कर शेळके.
१०. व्यावहारिक मराठी भाषा, शरदिनी मोहिते
११. भाषांतर मीमांसा, डॉ. कल्याण काळे
१२. व्यावहारिक, उपयोजित मराठी आणि प्रसारमाध्यमे, संपादक डॉ. संदीप सांगळे
१३. व्यावहारिक आणि उपयोजित मराठी, डॉ. मनोहर रोकडे
१४. मराठी भाषा उपयोजन आणि सर्जन, प्रा. सुहासकुमार बोबडे
१५. उपयोजित मराठी, डॉ. केतकी मोडक, प्रा. सुजाता शेणई ,संतोष शेणई
१६. व्यावहारिक मराठी, प्रकाश परब
१७. व्यावहारिक मराठी, संपादक डॉ. स्नेहल तावरे, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे.
१८. निबंध : शास्त्र व कला, डॉ. प्र. न. जोशी
१९. निबंध व लेखन, निर्मला किराणे.
२०. भाषांतरमीमांसा, संपादक डॉ. रमेश वरखेडे, य. च. म. मुक्त विद्यापीठ, नाशिक.